This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No.....

2216

B.Ed.

D

Paper—IV (e)

METHODS OF TEACHING—GEOGRAPHY (B)

Time: 1½ Hours Maximum Marks: 35

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note:— Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी:—इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा
में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना
चाहिए।

Attempt three questions in all.

Question No. 1 is compulsory.

कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
प्रश्न क्रमांक 1 अनिवार्य है।

Discuss the aims and objectives of teaching Geography at senior secondary level with reference to the nature of Geography as a discipline.

एक विद्याशाखा के रूप में भूगोल की प्रकृति को ध्यान
में रखते हुए उच्चतर माध्यमिक स्तर पर भूगोल शिक्षण के
लक्ष्यों और उद्देश्यों की चर्चा कीजिए।

Based on your experience of teaching Geography during the school experience programme, discuss two effective methods of teaching the subject.

अपने विद्यालयी अनुभव कार्यक्रम के दौरान अपने अनुभव के आधार पर भूगोल शिक्षण की किन्हीं दो प्रभावी विधियों की चर्चा कीजिए।

- Discuss how Geography as a discipline correlates with other school subjects. Explain giving specific examples drawn from its contents.
 - विवेचन कीजिए कि एक विद्याशाखा के रूप में भूगोल किस प्रकार अन्य स्कूली विषयों से सहसंबंधित है ? इसकी विषयवस्तु से विशिष्ट उदाहरण लेते हुए स्पष्ट कीजिए।
- 4. To evaluate your learners in a continuous and comprehensive manner, identify and justify the specific assessment strategies and techniques that you could use at the level. 12 सतत व व्यापक मूल्यांकन के तरीके से अपने विद्यार्थियों का मूल्यांकन करने के लिए आप जिन विशिष्ट युक्तियों और तकनीकों को अपना सकते हैं, उनका अभिनिर्धारण कीजिए और उनका औचित्य भी सिद्ध कीजिए।
- 5. Write short notes on any two of the following: 6+6
 - (a) Nature and importance of practical work in Geography
 - (b) Observation method of teaching Geography
 - (c) Profile of a Geography teacher.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

- (अ) भूगोल में प्रायोगिक कार्य की प्रकृति एवं महत्व
- (ब) भूगोल शिक्षण की अवलोकन विधि
- (स) भूगोल शिक्षक का व्यक्तिवृत्त।